ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

ज्योतिर्बिन्दु
परमपिता शिव परमात्मा

दुआयें दो और दुआयें लो यही श्रेष्ठ पुरूषार्थ है

Om Shanti

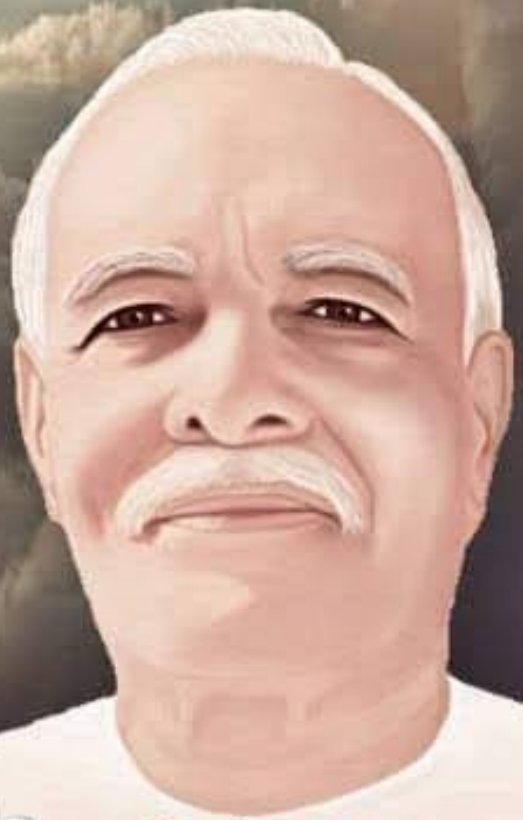

पिताश्री ब्रह्मा बाबा

Join Brahma Kumaris

सर्व का स्नेह प्राप्त करना है तो मुख से सदा मीठे बोल बोलो।

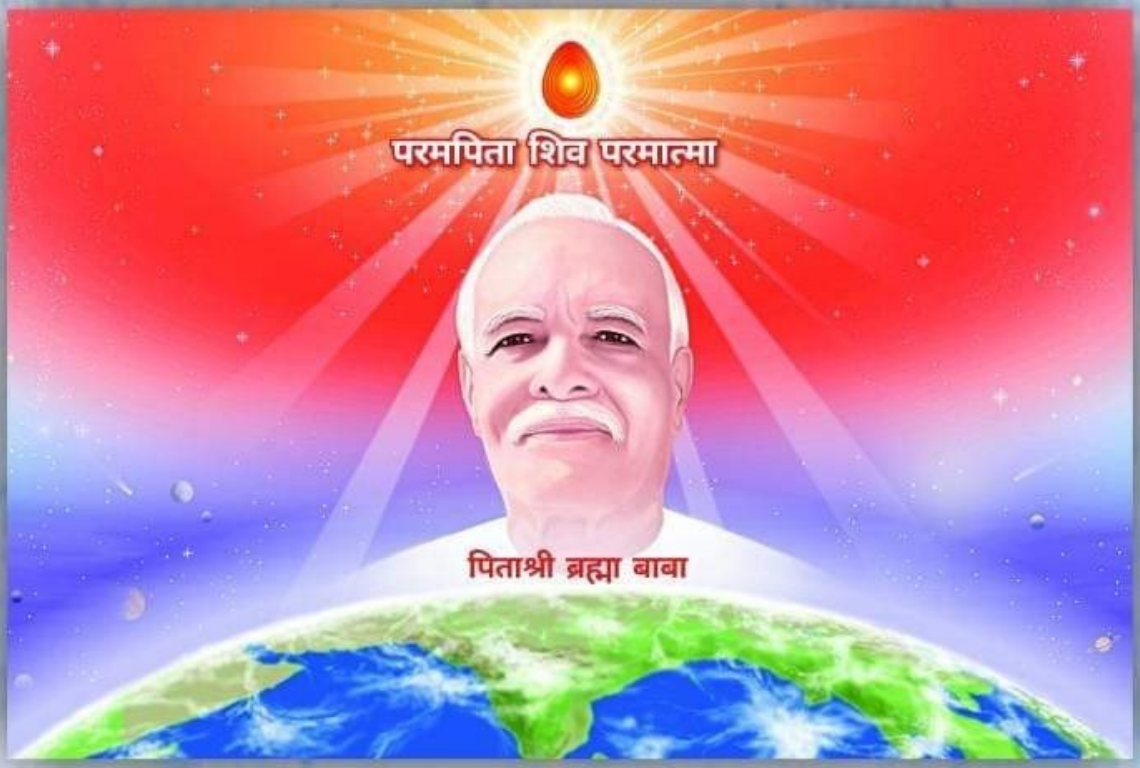

Om Shanti

सदा सर्व बन्धनमुक्त
और योगयुक्त
इसी को ही
अन्तर्मुखी कहा जाता है
इसलिए सेवा खूब करो
लेकिन बाह्यमुखी से
अन्तर्मुखी बनकर करो

Join Brahma Kumaris

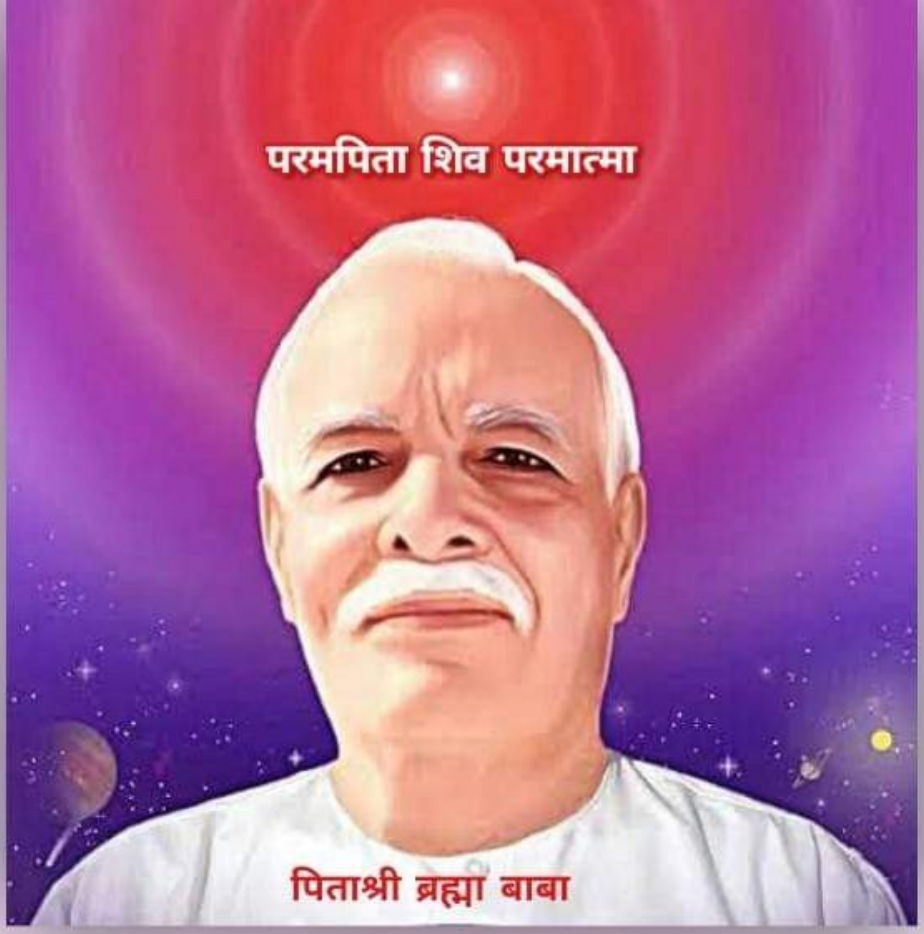

Om Shanti

जिनकी दिल में
एक दिलाराम शिवबाबा की याद है
वह सदा वाह-वाह के गीत गाते रहते हैं,
उनके मन से स्वप्न में भी "हाय" शब्द
नहीं निकल सकता
क्योंकि जो हुआ वह भी वाह,
जो हो रहा है वह भी वाह
और जो होना है वह भी वाह
तीनों ही काल वाह-वाह है
अर्थात् अच्छे ते अच्छा है

Join Brahma Kumaris

Swayam ke Swabhaav Sanskar ka Paper

अयुक्तियुक्त बोल, जो ब्राह्मणों की डिक्शनरी में है ही नहीं। यह पाँच रूप रेखायें देखी । इन पांचो को ही बापदादा 'व्यर्थ बोल' में गिनती करते हैं। ऐसा नहीं समझो - हँसी-मज़ाक अच्छी चीज़ है। हँसी-मज़ाक अच्छा वह है जिसमें रूहानियत हो और जिससे हँसी-मज़ाक करते हो उस आत्मा को फायदा हुआ, टाइम पास हुआ वा टाइम वेस्ट गया? रमणीकता का गुण अच्छा माना जाता हैं लेकिन व्यक्ति, समय, संगठन, स्थान, वायुमण्डल के प्रमाण रमणीकता अच्छी लगती है। अगर इन सब बातों में से एक बात भी ठीक नहीं तो रमणीकता भी व्यर्थ की लाइन में गिनी जायेंगी और सर्टिफिकेट क्या मिलेगा कि हँसाते बहुत अच्छा है लेकिन बोलते बहुत हैं । तो मिक्स चटनी हो गई ना। तो समय की सीमा रखो। इसको कहा जाता हैं - मर्यादा पुरुषोत्तम। ' कहते हैं - मेरा स्वभाव ही ऐसा हैं । वह कौन-सा स्वभाव है ? बापदादा वाला स्वभाव हैं? तो इसको भी 'मर्यादा पुरुषोत्तम ' नहीं कहेंगे साधारण पुरुष कहेंगे । बोल सदैव ऐसे हो जो सुनने वाले चात्रक हो कि यह कुछ बोले और हम सुनें - इसको कहा जाता हैं 'अनमोल महावाक्य । ' महावाक्य ज्यादा नहीं होते। जब चाहे तब बोलता रहें - इसको महावाक्य नहीं कहेंगे। तो सतगुरु के बच्चे - मास्टर सतगुरु के महावाक्य होते हैं, वाक्य नहीं। व्यर्थ बोलने वाला अपनी बुद्धि में व्यर्थ बातें, व्यर्थ समाचार, चारों ओर का कूड़ा-किचडा जरूर इकट्ठा करेगा क्योंकि उनको कथा का रमणीक रूप देना पड़ेगा। जैसे शास्त्रवादियों की बुद्धि है ना। इसलिए जिस समय और जिस स्थान पर जो बोल आवश्यक है, युक्तियुक्त हैं, स्वयं के और दूसरी आत्माओं के लाभ-लायक हैं, वही बोल बोलो। बोल के ऊपर अटेंशन कम है। इसलिए इस पर डबल अण्डरलाइन।

विशेष इस वर्ष बोल के ऊपर अटेंशन रखो। चेक करो - बोल द्वारा एनर्जी और समय कितना जमा किया और कितना व्यर्थ गया? जब इसको चेक करेंगे तो स्वत: ही अंतर्मुखता के रस को अनुभव कर सकेंगे। अतर्मुखता का रस और बोलचाल का रस - इसमें रात-दिन का अंतर हैं। अंतर्मुखी सदा भृकुटी की कुटिया में तपस्वीमूर्त का अनुभव करता है। समझा!--14-01-1990

Achanak Aur Eveready

सेवाधारियों को बाबा किस आधार पर मार्क्स देते हैं?

बापदादा 25.11.1995

चाहे ब्राह्मण परिवार में आपका नाम नामीग्रामी नहीं है, सेवाधारी अच्छे हो फिर भी आपका नाम नहीं है, लेकिन बाप के पास तो नाम है ना, जब बाप के दिल पर नाम है तो और क्या चाहिए! और सिर्फ बाप के दिल पर नहीं लेकिन जब फाइनल में नम्बर मिलेंगे तो आपका नम्बर आगे होगा। क्योंकि बापदादा हिसाब रखते हैं। आपको चांस नहीं मिला, आप राइट हो लेकिन चांस नहीं मिला तो वो भी नोट होता है। और मांग कर चांस लिया, वो किया तो सही लेकिन वो भी मार्कस कट होते हैं। ये धर्मराज का खाता कोई कम नहीं है। बहुत सूक्ष्म हिसाब-किताब है। इसलिए निःस्वार्थ सेवाधारी बनो, अपना स्वार्थ नहीं हो। कल्याण का स्वार्थ हो। अगर मानो आपको चांस है और दूसरा समझता है कि हमको भी मिले तो बहुत अच्छा और योग्य भी है तो अगर मानो आप अपना चांस उसको देते हो तो भी आपका शेयर उसमें जमा हो जाता है। चाहे आपने नहीं किया, लेकिन किसको चांस दिया तो उसमें भी आपका शेयर जमा होता है। क्योंकि सच्चा डायमण्ड बनना है ना। तो हिसाब-किताब भी समझ लो, ऐसे अलबेले नहीं चलो, ठीक है, हो गया..... बहुत सूक्ष्म में हिसाब-किताब का चौपड़ा है। बाप को कुछ करना नहीं पड़ता है, ऑटोमेटिक है।

ओम् शान्ति

'Death' means my present
physical costume ends.
But its ending can give
many lives a new beginning.
Why should my organs
be buried or burnt,
When they can gift someone
a child, parent or friend?

I signed up for Organ Donation.
I am sure you will too.

BKShivani

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org